बरेली, सोमवार
15 जून, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16+4=20

दैनिक जागरण

PAGE NO : IV BOTTOM

मानवीय संबंधों की जटिलताओं को उजागर करता 'ब्रोकन चेयर'

- एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को नाटक 'ब्रोकन चेयर' का हुआ मंचन
- तीन पुराने साथियों रवि अजीज और सुमित्रा के इर्द-गिर्द घूमती कहानी

जागरण संवाददाता, बरेली : एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार शाम 'ब्रोकन चेयर' नाटक का प्रभावशाली मंचन हुआ, जिसमें मानव जीवन के अंतर्द्वंद्व, भौतिक वस्तुओं के प्रति मोह और मानवीय संबंधों की जटिलताओं को उजागर किया गया। इसकी कहानी तीन पुराने साथियों रवि, अजीज और सुमित्रा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो वर्षों बाद एक वीरान स्थान पर मिलते हैं। वहां रवि को एक टूटी हुई कुर्सी दिखती है, जिसका एक पाया (पैर) गायब होता है।

पाया की तलाश के दौरान उसे पता चलता है कि वह पाया अजीज के पास है। रवि उससे कुर्सी का पाया मांगता है, लेकिन अजीज इन्कार कर देता है। वह कहता है कि पाया उसे मिला है, इसलिए अब उस पर उसी का अधिकार है। धीरे-धीरे एक साधारण-सी वस्तु को लेकर दोनों के बीच अधिकार और स्वामित्व का विवाद गहराने लगता है। तभी सुमित्रा वहां पहुंचती है। वह भी कुर्सी को हासिल करना चाहती है। अजीज उससे पूछता है कि यदि वह कुर्सी का पाया उसे दे दे, तो बदले में वह क्या दे सकती है। सुमित्रा अपने पास मौजूद एक टूटी और बंद घड़ी देने का प्रस्ताव रखती है। किंतु कोई भी अपनी वस्तु छोड़ने के लिए तैयार नहीं होता। इस प्रकार तीनों दोस्त अपनी-अपनी वस्तुओं के मोह में इस कदर बंध जाते हैं कि उनके बीच के मानवीय संबंध और पुरानी मित्रता गौण होती चली जाती है। प्रख्यात लेखक स्माइल चुनारा लिखित और उमा झुनझुनवाला द्वारा हिंदी अनुवाद किए गए चर्चित मनोवैज्ञानिक नाटक का रंगमंचीय संस्था रंगचक्र, प्रयागराज की ओर से मंचन किया गया। निर्देशन गौरव शर्मा ने किया। अजीज की भूमिका में आयुष केसरवानी, सुमित्रा की भूमिका श्वेता, रवि की हर्षित केसरवानी ने खान छोड़ी। इस अवसर पर ट्रस्ट के संरक्षक देव मूर्ति, अशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, उषा गुप्ता, डेजिशा, डा. अनुज सक्सेना, डा. शैलेश सक्सेना, डा. रीता शर्मा आदि मौजूद रहे।

रिद्धिमा में नाटक प्रस्तुत करते कलाकार ● सौ. आयोजक